University in News on 24 April 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : चार घंटे खुलेगी डिस्पेंसरी, शिफ्ट में लगी डॉक्टरों की ड्यूटी

विवि प्रशासन ने जारी किया विस्तृत आदेश, लूटा ने कहा- दवाओं की भी व्यवस्था हो

अमर उजाला ने डिस्पेंसरी के सिर्फ एक घंटे खुलने व डॉक्टर न होने का उठाया था मुद्दा

माई सिटी रिपोर्टर

अमर उजाला इंपैक्ट

लखनऊ। देर से ही सही लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने दोनों कैम्पस में चलने वाली डिस्पेंसरी की सुध ली है। अमर उजाला में इससे जुड़ी खबर प्रकाशित होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आया है। उसने डिस्पेंसरी के 04 घंटे खुलने का समय निर्धारित किया है। साथ ही दो डॉक्टरों की शिफ्ट वाइज ड्यूटी भी लगा दी है।

लविवि : डिस्पेंसरी ही 'बीमार' कैसे मिले इला

अमर उजाला में प्रकाशित समाचार।

अमर उजाला ने बृहस्पतिवार के अंक में 'लविविः डिस्पेंसरी ही बीमार तो कैसे मिलेगा ईलाज' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी, जिसमें बताया था कि जब लखनऊ विश्वविद्यालय कोविड संक्रमण की चपेट में है। उस समय भी न तो नियमित डॉक्टर की तैनाती है, न ही इसके खुलने का समय निर्धारित है। न ही दवाओं की बेहतर व्यवस्था है। विवि प्रशासन ने इसका संज्ञान लिया। इसी क्रम में डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने शुक्रवार को एक आदेश जारी कर कहा कि पुराने व न्यू कैम्पस स्थित डिस्पेंसरी सुबह 09 से दोपहर 01 बजे तक खुलेंगी। दोनों कैम्पस में अल्टरनेट एक-एक दिन एलोपैथिक व एक दिन होम्योपैथी के डॉक्टर बैठेंगे। वहीं रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि जल्द ही स्थिति सामान्य होने पर कॉन्ट्रैक्ट पर एक और डॉक्टर की तैनाती की जाएगी। स्टाफ को नियमित समय से डिस्पेंसरी खोलने और दवाएं देने के निर्देश दिए गए हैं।

वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) ने उक्त के साथ ही डिस्पेंसरी में दवाओं की बेहतर व्यवस्था करने और वर्तमान स्थिति को देखते हुए एक एम्बुलेंस भी इससे अटैच करने की मांग की है। हालांकि विवि प्रशासन का कहना है चूंकि प्रॉक्टर कार्यालय 24 घंटे खुला रहता है, इसलिए दोनों एम्बुलेंस प्रॉक्टर कार्यालय से अटैच रहती हैं और आवश्यकतानुसार उसका प्रयोग किया जाता है।

ऑक्सीजन सिलेंडर और कंसंट्रेटर की भी व्यवस्था

लूटा अध्यक्ष डॉ. विनीत वर्मा ने बताया कि डिस्पेंसरी प्रभारी प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि यहां ऑक्सीजन सिलेंडर और कंसंट्रेटर की भी व्यवस्था की जा रही है। साथ ही जरूरी दवाओं का भी प्रबंध किया जा रहा है, ताकि लोगों को समय पर इलाज मिल सके।